gramodayachitrakoot.ac.in

ग्रामोदय संदेश

■ मंगलवार, 16 जनवरी, 2024 ■ वर्ष 23 ■ अंक 01 ■ पेज 4 ■ मूल्य : निःशुल्क ■ वेबसाइट पर देखें ई-न्यूज लेटर

प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में होगी बैठक, सभी विषयों पर होगी चर्चा

ग्रामोदय विश्वविद्यालय चित्रकूट में आज होगी 'श्रीरामचंद्र पथ गमन न्यास' की बैठक

विकास कार्यों का प्रस्तुतिकरण तथा लीला गुरुकुल प्रशिक्षण संस्थानों की स्थापना के प्रस्ताव का होगा प्रस्तुतिकरण

चित्रकूट। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में मंगलवार 16 जनवरी को महात्मा गांधी चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय चित्रकूट में 'श्रीरामचंद्र पथगमन न्यास' की पहली बैठक होगी। आधिकारिक जानकारी के अनुसार दोपहर 1.30 बजे से प्रारंभ होने वाली बैठक में न्यास से संबंधित जानकारी, न्यास के क्षेत्र में किए जाने वाले कार्यों का प्रस्तुतीकरण, जिसमें अमरकंटक (प्रसाद योजनान्तर्गत) में प्रस्तावित विकास कार्य, चित्रकूट में कामदगिरि परिक्रमा पथ एवं अन्य प्रस्तावित कार्य, बृहस्पति कुंड तथा चित्रकूट (पवित्र मंदाकनी) के घाटों का विकास कार्यों का प्रस्तुतिकरण तथा लीला गुरुकुल प्रशिक्षण संस्थानों की स्थापना के प्रस्ताव का प्रस्तुतिकरण होगा। सूचना के अनुसार मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव सतना जिले के एक दिवसीय प्रवास पर 16 जनवरी को मझगवां विकासखंड के पटनाखुर्द और चित्रकूट आएंगे। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के निर्धारित कार्यक्रमानुसार मुख्यमंत्री दोपहर 12 बजे हेलीकॉप्टर से मझगवां विकासखंड के पटनाखुर्द आयेंगे और यहां विकसित भारत संकल्प यात्रा के स्थानीय कार्यक्रम में शामिल होंगे। मुख्यमंत्री डॉ यादव पटनाखुर्द से हेलीकॉप्टर से रवाना होकर दोपहर 1:15 बजे चित्रकूट के उद्यमिता परिसर के हेलीपैड पहुंचेंगे। दर्शन-पूजन के स्थानीय कार्यक्रम के बाद मुख्यमंत्री डॉ यादव दोपहर 1:30 बजे ग्रामोदय विश्वविद्यालय के सभागार में श्री रामचंद्र पथ वन गमन न्यास की बैठक लेंगे। मुख्यमंत्री डॉ यादव अपरान्ह 2:45 बजे ग्वालियर-बेंगलुरू फ्लाइट के शुभारंभ कार्यक्रम में वर्चुअली जुड़ेंगे। अपरान्ह 3:15 बजे मुख्यमंत्री डॉ यादव भगवान कामतानाथ स्वामी के दर्शन-पूजन के बाद 4 बजे स्थानीय आयोजित कार्यक्रम में शामिल होंगे। मुख्यमंत्री डॉ यादव सायं 4:30 बजे उद्यमिता परिसर के लिए हेलीपैड से हेलीकॉप्टर द्वारा खजुराहो के लिए रवाना होंगे। श्रीरामचंद्र पथगमन के प्रारंभिक एजेंडे में जो काम प्राथमिकता में शामिल किए गए हैं, उसमें प्रसाद योजना के अंतर्गत अमरकंटक में प्रस्तावित काम कराए जाएंगे। इसके साथ ही चित्रकूट में कामदगिरि परिक्रमा पथ और अन्य प्रस्तावित काम किए जाएंगे। गौरतलब है कि वनवास के दौरान राम ने सबसे ज्यादा दिन चित्रकूट में बिताए हैं। कहा जाता है कि चित्रकूट में पग-पग पर राम की निशानियां बसी हैं। मध्यप्रदेश और उत्तरप्रदेश की सीमा पर बसे चित्रकूट नगरी का विकास किया जाएगा। आज राम की तपोस्थली चित्रकूट में राम पथ विकास गवन का रोड मैप तैयार होगा। आपको बता दें कि रामचंद्र पथ गमन न्यास के अध्यक्ष मुख्यमंत्री है। बैठक में 5 संभागों के 8 जिलों के 23 स्थलों को विकसित करने का प्लान तैयार होगा।

नई शिक्षा नीति ने युवाओं को सनातन के गूढ़ रहस्य समझाने का मार्ग प्रशस्त किया : डॉ. मोहन यादव

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश में लागू नई शिक्षा नीति से युवा पीढ़ी के लिए ज्ञान विज्ञान की बातें जानने के साथ-साथ सनातन के गुण रहस्य को समझने का भी मार्ग प्रशस्त हुआ है। प्रभु श्री राम संस्कारों का ज्ञान करने के साथ-साथ पिता पुत्र और पति के कर्तव्यों का भान कराने के प्रभावी माध्यम हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादवे कल भोपाल के समन्वय भवन में आयोजित 'श्री रामोत्सव सबके राम' कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने कहा कि सम्राट विक्रमादित्य के शासन व्यवस्था के सिद्धांत और उनके विचार रामराज्य की आवधारणा के अनुरूप थे। सर्वोच्च न्यायालय के निर्णय का क्रियान्वयन कार्यपालिका का दायित्व है, प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश के समसामयिक वातावरण के अनुरूप रामलला का प्राण प्रतिष्ठा समारोह सनातन के प्रति आस्था को दृढ़ करेगा और जन-जन के लिए यह प्रेरणा का पाथेय सिद्ध होगा।

कुलपति की कलम से...

प्रो. (डॉ.) भरत मिश्रा

मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम की तपोस्थली, मंदाकिनी नदी के सुरम्य तट पर स्थापित महात्मा गांधी चित्रककूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय भारतरत्न नानाजी देशमुख के शैक्षिक चिंतन और संकल्पों की जीवंत अभिव्यक्ति है, जो मध्य प्रदेश शासन द्वारा 12 फरवरी, 1991 को विशेष अधिनियम 09, 1991 द्वारा स्थापित हुआ। ग्रामीण विश्वविद्यालय की परिकल्पनाओं पर आधारित ग्रामोदय विश्वविद्यालय पहला संस्थान है। विश्वविद्यालय का ध्येय वाक्य है 'विश्वं ग्रामे प्रतिष्ठितम' अर्थात् ग्राम विश्व का लघु रूप है। विश्वविद्यालय चित्रकूट में स्थित है जो एक प्रसिद्ध तीर्थ स्थल है। नई पीढ़ी के लिये यह स्थान आदर्श एवं प्रेरणा का केन्द्र है। विश्वविद्यालय में कृषि, प्रबंधन, अभियांत्रिकी, लोक विज्ञान, ग्रामीण विकास एवं स्थानीय स्वशासन, लोक शिक्षा, कला एवं संस्कृति, साहित्य एव पुरातत्व सहित सभी अकादमिक धारायें प्रभावी रूप से उपस्थित हैं। विश्वविद्यालय, ग्राम को समाज जीवन की मूल इकाई मानकर शिक्षण, प्रशिक्षण, शोध और प्रसार कार्यों से सर्वांगीण विकास के लिए विगत 3 दशकों से अधिक समय से समर्पित प्रयास कर ग्रामोदय से राष्ट्रोदय के संकल्प में लगा हुआ है। विश्वविद्यालय में स्थापना काल से 'सामाजिक मूल्य एवं उत्तरदायित्व' पाठ्यक्रम समग्र शिक्षा का अनिवार्य तत्व रहा है। विश्वविद्यालय राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के समग्र आयामों को समाहित कर क्रियान्वित कर रहा है। प्राचीन एवं सनातन भारतीय ज्ञान की सिद्ध परम्परा के आलोक में आई राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 चिरवांछित जन आकांक्षाओं की सम्यक अभिव्यक्ति है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति के युगान्तरकारी प्रावधानों को लागू करने में मध्यप्रदेश अग्रणी राज्य रहा है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति ने नवाचारों के लिए सकारात्मक और अनुकूल वातावरण उपलब्ध कराया है। विद्यार्थियों की पठन-पाठन की स्वतंत्रता, कौशल-विकास के समुचित अवसर तथा राष्ट्रीय प्राथमिकताओं के अनुसार भविष्य के लिए उन्हें तैयार करने की प्रतिबद्धता राष्ट्रीय शिक्षा नीति के प्रावधानों में स्पष्टतः दिखाई देती है। वस्तुत राष्ट्रीय शिक्षा नीति के केन्द्र में विद्यार्थी, ज्ञानार्थी और शोधार्थी ही हैं, जिनके हाथ में देश का भविष्य है, दुनिया का भविष्य है। विद्यार्थी ही हमारी शिक्षा नीति के ध्वजवाहक ब्रांड एम्बेसडर होंगे, इसमें तनिक भी संदेह नहीं। शिक्षा का अर्थ है मानवीयता के समग्र आयामों से युक्त मानव-निर्माण है मानव इस प्रकार की क्षमता को बढ़ाकर मानव को मानवता से विभूषित करने का प्रयास। विश्वविद्यालय ने अपनी गतिविधियों और कार्यक्रमों के माध्यम से वंचित वर्गों के सशक्तिकरण, कौशल विकास के उन्नयन एवं प्रमाणन तथा सतत विकास लक्ष्यों की प्राप्ति में महत्वपूर्ण योगदान कर रहा है तथा शासन के सहयोगी के रूप में उल्लेखनीय भूमिका का निर्वहन कर रहा है। विश्वास है कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 में विद्यार्थियों की सशक्त भूमिका के साथ प्रभावी क्रियान्वयन में प्रदेश एक मॉडल के रूप में अपनी पहचान स्थापित करेगा।

सीएम डॉ. मोहन यादव से प्रो. भरत मिश्रा ने मुख्यमंत्री की सौजन्य भेंट

कुलपति ने डॉ. मोहन यादव को मुख्यमंत्री पद पर नियुक्ति की बधाई देते हुए उच्च शिक्षा के विकास में उनके योगदान के लिए व्यक्त किया आभार

चित्रकूट। महात्मा गांधी चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. भरत मिश्रा ने गत दिवस मध्य प्रदेश के नव नियुक्त मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव से भोपाल स्थित मुख्य मंत्री निवास पर जाकर उनसे सौजन्य मुलाकात की। इस दौरान कुलपति ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को पुष्प गुच्छ भेंट किया और प्रदेश का मुख्यमंत्री बनाए जाने पर उन्हें हार्दिक बधाई दी। इस अवसर पर कुलपति प्रो. मिश्रा ने उच्च शिक्षा मंत्री के रूप में डॉ मोहन यादव द्वारा उच्च शिक्षा के विकास में किए गए योगदान के लिए आभार प्रकट किया।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 और विकसित भारत @2047 राष्ट्रीय संगोष्ठी में बोले उच्च शिक्षा मंत्री

हमारे देश के उत्पन्न प्रश्नों के समाधान हेतु स्थापित किया गया था ग्रामोदय विश्वविद्यालय : श्री इंदर सिंह परमार

चित्रकूट। मध्य प्रदेश के उच्च शिक्षा मंत्री इंदर सिंह परमार 13 जनवरी 2024 को ग्रामोदय विश्वविद्यालय आए थे। उन्होंने कहा कि प्रख्यात समाज शिल्पी भारत रत्न नानाजी देशमुख ने ग्रामोदय विश्वविद्यालय की स्थापना केवल डिग्री डिप्लोमा बांटने के काम में लगे सामान्य विश्वविद्यालय के विकल्प के रूप में किया था, हमारे देश के प्रश्नों के समाधान खोजने के लिए इस विश्वविद्यालय की स्थापना की गई थी। यह विश्वविद्यालय अपने गौरवशाली उद्देश्यों के अनुरूप निरंतर आगे बढ़ रहा है। हमारे देश की अपनी शिक्षा नीति 2020 के लक्ष्य और उद्देश्य को क्रियान्वित करने में यह विश्वविद्यालय सक्रियता के साथ अपना संपूर्ण योगदान देता रहेगा। उच्च शिक्षा मंत्री श्री परमार ने इस आशय के विचार महात्मा गांधी चित्रकूट राष्ट्र ग्रामोदय विश्वविद्यालय के सीएमसीएलडीपी सभागार में आयोजित राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 एवं विकसित भारत @ 2047 विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी के मुख्य अतिथि के रूप में व्यक्त किये। उन्होंने कहा कि देश की स्वतंत्रता के बाद अपनी शिक्षा नीति पर काम होना चाहिए था, तत्समय संभव नहीं हो सका। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 का यथार्थ स्वरूप विकसित भारत 2047 के रूप में पूर्णता के

साथ परिलक्षित होगा। कुलपति प्रो भरत मिश्रा ने ग्रामोदय विश्वविद्यालय की अकादमिक, प्रशासनिक, शोध, प्रसार आदि गतिविधियों केंद्रित जानकारी प्रस्तुत किया। उन्होंने अपने कार्यकाल में विश्वविद्यालय के विकास का खाका खींचा और बताया कि ग्रामोदय विश्वविद्यालय अपने विशिष्ट अधिनियम में प्रावधानित व्यवस्था के अनुसार पूरे प्रदेश में सामुदायिक नेतृत्व क्षमता विकास के पाठ्यक्रम संचालित कर रहा है। रेगुलर और दूरवर्ती दोनों माध्यमों के पाठ्यक्रमों संचालित हो रहे हैं। इस वर्ष ग्रामोदय विश्वविद्यालय के विभिन्न पाठ्यक्रमों में 70 हजार से अधिक विद्यार्थी पंजीकृत हैं। गुणवत्ता पूर्ण अध्ययन, अध्यापन, समय से प्रवेश, परीक्षा, मूल्यांकन और परिणाम इस विश्व विद्यालय की प्रमुख विशेषता है। छात्रा अंजली सिंह उच्च शिक्षा मंत्री इंदर सिंह परमार का स्वनिर्मित आकर्षक चित्र तैयार कर भेंट किया।

ग्रामोदय विश्वविद्यालय के कुलपति ने किया राज्यपाल का आत्मीय स्वागत

चित्रकूट। मध्य प्रदेश के राज्यपाल और कुलाधिपति श्री मंगू भाई पटेल का आगमन 27 अक्टूबर 2023 को चित्रकूट हुआ। इस मौके पर महात्मा गांधी चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो.भरत मिश्रा ने आरोग्यधाम स्थित हेलीपैड पर उनका आत्मीय स्वागत किया।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन पर ग्रामोदय कैंपस में किया वृक्षरोपण

कुलपति प्रो. भरत मिश्रा ने ग्रामोदय विश्वविद्यालय की ओर से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को भेजी जन्मदिन की बधाई

चित्रकूट। देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन पर 17 सितंबर 2023 को महात्मा गांधी चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय ने रचनात्मक कार्य कर उन्हें जन्मदिन की बधाई और शुभकामनाएं प्रेषित की है। कुलपति प्रो भरत मिश्रा ने अपने ट्वीटर संदेश में लिखा है कि सदियों से सुप्त भारतवर्ष के भव्य और गौरवशाली परिदृश्य को विश्वपटल पर पुनः स्थापित करने वाले तथा सम्पूर्ण वसुधा को एक कुटुम्ब के रूप में संजोने वाले हमारे प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी का जन्मदिन मंगलमय हो। उन्होंने ग्रामोदय विश्वविद्यालय परिवार की ओर से प्रधानमंत्री श्री मोदी को अनन्त अशेष शुभकामनाएं दी हैं। इस दौरान ग्रामोदय कैंपस और कृषि कैम्पस में वृक्षरोपण किया गया। ऊर्जा एवम पर्यावरण विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो घनश्याम गुप्ता के की अगुवाई में पर्यावरण के छात्रों ने वृक्षरोपण किए।

नाना जी स्मृति व्याख्यान माला का हुआ आयोजन

युगानुकूल पुनर्रचना के शिल्पकार थे नाना जी

वास्तुविद उत्तम बनर्जी मुख्य वक्ता, डीआरआई संगठन सचिव अभय महाजन रहें मुख्य अतिथि, कुलपति प्रो. भरत मिश्रा ने की अध्यक्षता

रोजगार के अवसर सृजित कर रहा विश्वविद्यालय : अभय महाजन

व्याख्यान माला के मुख्य अतिथि एवं दीनदयाल शोध संस्थान के राष्ट्रीय संगठन सचिव अभय महाजन ने कहा कि ग्रामोदय विश्वविद्यालय में इस क्षेत्र के विकास में अपना सशक्त योगदान कर रहा है। इस विश्वविद्यालय की स्थापना के कारण क्षेत्र में अनेक प्रकार के रोजगार सृजित हुए हैं । नानाजी ने वन मैन आर्मी के रूप में विकास का युगानुकुल ढांचा खड़ा किया है। नाना जी ने के जीवन चरित्र एवं उनके कामों को आत्मसात कर राष्ट्र का व्यवस्थित विकास किया जा सकता है। सुखद अनुभव हो रहा है नाना जी की संकल्पना और कार्यशैली को अपनाकर महात्मा गांधी चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय में इस क्षेत्र के विकास में अपना सशक्त योगदान कर रहा है। इस विश्वविद्यालय की स्थापना के कारण क्षेत्र में अनेक प्रकार के रोजगार सृजित हुए हैं । यहां के निवासियों की आर्थिक स्थिति मजबूत हुई है। उच्च शिक्षा का प्रतिशत बढ़ा है। श्री महाजन ने नाना जी से जुड़े अनेक प्रसंगों को साझा किया।

चित्रकूट। भारत रत्न राष्ट्र ऋषि नानाजी देशमुख के जन्म दिवस पर कार्यक्रमों की श्रृंखला में 30 अक्टूबर 2023 को विश्वविद्यालय के मुख्यमंत्री सामुदायिक नेतृत्व क्षमता विकास सभागार में नानाजी स्मृति व्याख्यान माला का आयोजन हुआ। दीनदयाल शोध संस्थान के राष्ट्रीय संगठन सचिव अभय महाजन के मुख्य आतिथ्य में संपन्न इस विशेष व्याख्यान माला के मुख्य वक्ता उत्तम कुमार बनर्जी वास्तुविद एवं समाज सेवी रहे। श्री बनर्जी ने अपने और नाना जी साथ हुई प्रत्यक्ष मुलाकात का संस्मरण साझा करते हुए कहा कि ग्रामोदय विश्वविद्यालय की स्थापना की प्रेरणा नानाजी ने महात्मा गांधी से ली थी। नाना जी ने गांधी जी की मूर्ति विश्वविद्यालय प्रांगण में लगाने के लिए मुझे चर्चा की थी। मुझे खुशी है कि नाना जी के विचारों को साकार करने की दिशा में महात्मा गांधी चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय कृत संकल्पित है। नाना जी नाना जी ज्ञान के भंडार थे। नाना जी का विचार गुलामी मानसिकता से युक्त देश की तत्कालीन शिक्षा नीति से भिन्न था। उन्होंने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रचारक के रूप में उत्तर प्रदेश के गोरखपुर में नैतिक शिक्षा विषय से युक्त एक स्कूल खोला था, जो बाद में पूरे देश में सरस्वती शिशु मंदिर और सरस्वती विद्या मंदिर की श्रृंखला के रूप में जाना गया।

संस्कारयुक्त शिक्षा के केंद्र के रूप में आलोकित है ग्रामोदय परिसर : उपमुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल

उपमुख्यमंत्री का ग्रामोदय विश्वविद्यालय में हुआ भव्य स्वागत और अभिनंदन

चित्रकूट। मध्य प्रदेश के उपमुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल का 15 दिसंबर 2023 को महात्मा गांधी चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय में कुलपति प्रो भरत मिश्रा ने शाल, श्रीफल और स्मृति चिन्ह भेंट कर ग्रामोदय परिवार की ओर से भव्य स्वागत और अभिनंदन किया। इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने विश्वविद्यालय के संस्थापक कुलाधिपति भारतरत्न राष्ट्रऋषि नानाजी देशमुख को महामानव के रूप में बताते हुए कहा कि नाना जी देशमुख ने इस विश्वविद्यालय की संकल्पना और स्थापना की थी। यह विश्वविद्यालय केवल सामान्य विश्वविद्यालयों की भांति न होकर संस्कार युक्त शिक्षा देने का उत्कृष्ट केंद्र भी है। ग्रामोदय विश्वविद्यालय के इस परिसर में आने में एक विशेष प्रकार की ऊर्जा मिलती है। नानाजी के व्यक्तित्व एवं कृतित्व से प्रेरणा लेकर समाज सेवा के क्षेत्र को नई दिशा दी जा सकती है। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि इस क्षेत्र के लिए सौभाग्य की बात है कि नानाजी देशमुख के सदप्रयासों से इस विश्विद्यालय के विद्यार्थी उच्च शिक्षा के प्रकाश को देश विदेश में प्रकाशित कर रहे है। उन्होंने कहा कि ग्रामोदय विश्वविद्यालय के सतत विकास के लिए हर संभव प्रयास किया जाएगा।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का ग्रामोदय से रहा है पुराना नाता

चित्रकूट। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का ग्रामोदय विश्वविद्यालय से पुराना नाता रहा है। वे कई महत्वपूर्ण अवसरों पर पहले भी महात्मा गांधी चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय आ चुके हैं। उच्च शिक्षा मंत्री रहते हुए भी श्री यादव चित्रकूट आए थें प्रस्तुत हैं उस समय की कुछ झलकियां...

यशस्वी प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी का उद्बोधन ग्रामोदय विश्वविद्यालय में सुना गया

'युवाओं के आगाज' कार्यक्रम का प्रभाव विद्यार्थियों मे दिखा

विकसित भारत @ 2047 के लिए तैयार है विश्वविद्यालय

चित्रकूट। वर्ष 2047 में विकसित भारत के गौरवशाली लक्ष्य को लेकर विकसित भारत @ 2047 आइडिया पोर्टल के शुभारंभ अवसर पर देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा दिए गए मार्गदर्शक उद्बोधन का प्रसारण 11 दिसंबर 2023 को पूरे उत्साह के साथ महात्मा गांधी चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय में देखा और सुना गया। इस अवसर पर कुलपति प्रो भरत मिश्रा के नेतृत्व में ग्रामोदय के युवा विद्यार्थियों ने विकसित भारत के गौरवशाली लक्ष्य को प्राप्त करने का संकल्प लिया। सीएमसीएलडीपी सभागार में आयोजित इस प्रसारण कार्यक्रम में शामिल छात्र छात्राओं ने ग्रामोदय विकसित भारत @2047 के लक्ष्य , उद्देश्य और कार्य योजना को पूरे उत्साह के साथ जाना और समझा।

ग्रामोदय में शैक्षणिक नवाचार

वंदे मातरम, स्वच्छता, श्रमदान और अनुशासन विश्वविद्यालय की पहचान

चित्रकूट। भारत रत्न राष्ट्र ऋषि नानाजी देशमुख की परिकल्पना और कार्यशैली पर मध्य प्रदेश शासन द्वारा संचालित महात्मा गांधी चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों ने वंदे मातरम्, स्वच्छता,श्रमदान, अनुशासन, वृक्षारोपण और प्रार्थना सभा को अपनी अकादमिक गतिविधियों में पूरे उत्साह के साथ अपने को शामिल कर लिया है। अकादमिक नवाचार के तौर पर कुलपति प्रो भरत मिश्रा कुलगुरू के रूप में ग्रामोदय विश्वविद्यालय के छात्र छात्राओं के सतत मार्गदर्शन में संलग्न हैं। नाना जी देशमुख के ग्रामोदय स्वप्न को साकार करने की दिशा में कुलपति प्रो भरत मिश्रा कुलगुरू के रूप में ग्रामोदय कैंपस में अध्ययन करने वाले विद्यार्थियों के सतत मार्गदर्शन में संलग्न है।

कैंपस में विद्यार्थियों का मार्गदर्शन करते कुलगुरु प्रो. भरत मिश्रा

स्वच्छता अभियान

कुलपति प्रो मिश्रा द्वारा कभी भी किसी समय ग्रामोदय कैंपस में छात्र छात्राओं के बीच बैठकर उनकी कॉपी को चेक करने और पाठ्यक्रम से संबंधित जानकारी लेने से सतत अनुशासन और अकादमिक गुणवत्ता को बढ़ावा मिलता है। स्मार्ट क्लास रूम की तरह ग्रामोदय कैंपस का खुला और हरियाली युक्त वातावरण किसी ईको क्लास रूम से किसी भी मायने में कमजोर प्रतीत नहीं होता है। विद्यार्थी अपनी सुविधा के अनुसार उत्साह पूर्वक अध्ययन कर सकते हैं।

प्रकाशक : कुलसचिव, महात्मा गांधी चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय, चित्रकूट, सतना, मध्य प्रदेश। संपादक : डॉ. जयप्रकाश शुक्ल।